पंजीयन क्रं. 06/09/01/04737/04

विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 4, अंक 37 | माह - अप्रैल 2022, मूल्य - निःशुल्क

आपके विकास को समर्पित

॥विचार समिति॥

(स्थापना वर्ष 2003)

विचार समिति ने दिल्ली में किया नये कार्यालय का शुभारंभ

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक व अध्यक्ष
मो. 9009780020

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 9893800638

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष
मो. 8462880439

आकांक्षा मलैया
सचिव
मो. 9165422888

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष, मो. 9826023692

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक, मो. 9009780042

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी, मो. 9302556222

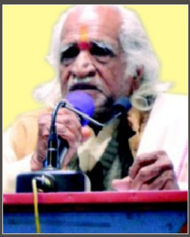

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयॉश जैन
मार्गदर्शक

गुलझारीलाल जैन
मार्गदर्शक

प्रदीप रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

विचार समिति का मासिक प्रकाशन

विचार मासिक पत्रिका

वर्ष - 4, अंक - 37, अप्रैल - 2022

संपादक

आकांक्षा मलैया

प्रबंधक व प्रकाशक

विचार समिति

स्वामित्व

विचार समिति

258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड,
आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि.
के पीछे, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002

Email: sanstha.vichar@gmail.com
Phone: 9575737475
07582-224488

मुद्रण

तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट
पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली,
रामपुरा वार्ड, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002

इस अंक में

1. आधुनिक जीवन शैली 4

2. क्या हैं संवैधानिक अधिकार ? 6

3. अपील : पर्यावरण प्रेमी आर्थिक सहायता देकर पेड़ों के जीवन को बचाने में मदद करें.... 9

4. गोमय उत्पाद अनूठी पहल, पहली बार इतनी अच्छी रचनात्मकता देखने को मिली 11

5. ग्लूकोस, नीबू पानी करवाएंगे उपलब्ध, जिससे लोग ऊर्जा से रहें भरपूर 13

6. देश में सेवा का कार्य करेगी विचार समिति 14

7. बुजुर्ग हमारे आंगन की छांव होते हैं 16

8. गोमय उत्पाद से महिलाएं आर्थिक स्वालंबन की ओर आगे बढ़ रही हैं 18

9. रोजगार योजनाओं का लाभ कैसे लें 19

मीडिया कवरेज :- 22

आधुनिक जीवन शैली की दौड़ भरी जिन्दगी के कारण युवा वर्ग में बढ़ता मानसिक तनाव व आत्महत्या की ओर बढ़ते कदम

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
विचार समिति

आज का युवा वर्ग शराब और ड्रग्स जैसे नशे के आदी हो रहे हैं। कभी कभी आर्थिक परिस्थितियां भी मानसिक तनाव देती हैं। आज सबसे अधिक समाज में आत्महत्या से लेकर बलात्कार जैसे घिनौने अपराध बढ़ रहे हैं।

आधुनिक युग युवाओं का युग है जिसमें किशोरवय व बालकों का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि राष्ट्र के निर्माण में किशोरों का ही महत्वपूर्ण योगदान रहता है। किशोरवय अवस्था 12 वर्ष तक की मानी जाती है इसी अवस्था में बालकों में कई परिवर्तन होते हैं जैसे शारीरिक विकास, मानसिक विकास, लैंगिक विकास एवं संवेगात्मक विकास। इन सभी में संवेगात्मक परिवर्तन सबसे अधिक देखा जाता है। देश की युवा शक्ति देश की रीढ़ है। हमारे युवा ही देश व समाज को नये शिखर पर ले जाते हैं। वे देश के वर्तमान, भूतकाल और भविष्यकाल के सेतु हैं।

प्रतिदिन बढ़ते हुए बाल अपराध हमारे सामाजिक जीवन के लिए चुनौती हैं। वैसे देखा जाए तो बच्चों में अपराधी प्रवृत्तियां संसार के सभी देशों में एक गंभीर समस्या है। कुछ दिनों पूर्व समाचार पत्र में छपा था कि ब्रिटेन में कलेक्टन नामक स्थान पर एक हजार से अधिक ब्रिटिश युवाओं ने हमला बोल दिया, उन्होंने कारों पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी, लोगों को मारा-पीटा, दुकान और क्लबों में घुसकर संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया। राह चलने वालों को मार गिराया। शराब, तम्बाखू जैसी नशीली वस्तुओं की चोरी की और पुलिस के आते ही शहर से भाग गये। चूंकि यह समाचार तो बाल अपराधों का एक बड़ा हुआ

रूप है किन्तु दैनिक व्यवहार की छोटी छोटी बातों से ही अपराध की जड़े जमती हैं। बहुत से बच्चे घर से स्कूल जाते हैं और स्कूल में से अनुपस्थित रहते हैं। हालांकि यह बता पाना संभव नहीं है कि कौन सा बच्चा किस बात को लेकर अपराध की ओर कदम बढ़ाने लगता हैं। वे दुनिया का सामना करने से डरते हैं। आज का युवा वर्ग शराब और ड्रग्स जैसे नशे के आदि हो रहे हैं।

कभी-कभी आर्थिक परिस्थितियां भी मानसिक तनाव देती हैं। आज सबसे अधिक समाज में आत्महत्या से लेकर बलात्कार जैसे घिनौने अपराध बढ़ रहे हैं। बहुत से युवा (छात्र-छात्रायें) उच्च बुद्धि के होते हुए समायोजन नहीं कर पाते और बहुत से छात्र-छात्रायें निम्न बुद्धि के कारण भी समायोजित नहीं हो पाते हैं। ऐसे युवा अपने आपको किसी कार्य के योग्य न समझकर कुंठाओं से ग्रसित होकर आत्महत्या की ओर प्रेरित होते हैं।

आज कई जगह देखने में आ रहा है कि व्यक्ति बहुत ही जल्दी डिप्रेशन (अवसाद) में चला जाता है। डिप्रेशन का अर्थ होता- रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत नुकसान पहुंचाने वाला मानसिक विकार। जिसमें हमेशा मन उदास रहता है और किसी भी गतिविधि में मन नहीं लगता।

आज के समय में आत्महत्या जैसे जघन्य अपराधों का सबसे अधिक प्रभाव समाज पर ही पड़ रहा है। साथ ही यौन अपराध, बलात्कार आदि की प्रवृत्तियां भी समाज को अंधेरे की ओर ले जा रही हैं। घरेलू तनाव भी अपराधों का कारण है।

उपयुक्त समस्याओं को लेकर हम कह सकते हैं कि हम सभी बहिनों को मिलकर ठोस कदम उठाने होंगे। समाज में बढ़ती हुई हिंसा, क्रूरता, गुण्डागर्दी, नशेबाजी, आवारापन जैसे अपराधों को दूर करना होगा इसके लिए मेरा सुझाव है कि प्रत्येक वर्ष में दो बार राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हो।

संबंधित विषयों के एक्सपर्ट द्वारा संबंधित समस्याओं पर व्याख्यान एवं काउंसलिंग होना चाहिए जिससे सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, प्राचार्यों की उपस्थिति अनिवार्य होना चाहिए। इस प्रकार की संगोष्ठियों से न केवल हमारे समाज का भला होगा वरन् देश के संपूर्ण युवा वर्ग को इसका लाभ मिलेगा।

क्या हैं संवैधानिक अधिकार ?

एड. प्रियंका तिवारी
भोपाल

महिला सशक्तिकरण

समाज में महिलाओं को पुरूषों की तुलना में दोयम दर्जे का ही समझा जाता है। क्यों?

भारत में महिलाओं को देवी के बराबर दर्जा मिला हुआ है। मगर आज भी देवी के साथ घरेलू हिंसा, लिंग भेदभाव और पुराने रीति-रिवाजों के नाम पर उसे दुनिया से विदा कर देना कोई बड़ी बात नहीं है। जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिका अद्वितीय है। महिलाओं के बिना समाज और दुनिया की कल्पना करना असंभव है। बावजूद इसके समाज में उन्हें पुरूषों की तुलना में दोयम दर्जे का ही समझा जाता है। हम महिला सशक्तिकरण की कितनी ही बातें कर लें, मगर आज भी महिलाओं को समाज में वह स्थान और सम्मान नहीं मिल पाया है, जिसकी वास्तव में वे अधिकारी हैं।

महिलाओं का सशक्तिकरण मूल्यत: महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक स्थिति के उत्थान एवं हिंसा के सभी रूपों के खिलाफ उनकी रक्षा करने की प्रक्रिया है। महिला सशक्तिकरण उन्हें वैध शक्ति या अधिकार देने की एक प्रक्रिया है। और दरअसल, ये ही वजह है कि भारत सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में लंबे समय से प्रयासरत है। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि आज भारतीय महिलाओं को कई तरह के कानूनी अधिकार प्राप्त हो चुके हैं।

आज महिलाएं सामाजिक, राजनैतिक अधिकारों (काम करने का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, निर्णय का अधिकार आदि) का दावा कर रही है। भारत की संसद ने भी महिलाओं को अन्याय और भेदभाव के विभिन्न रूपों से बचाने के लिए कई कानून पारित किए हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए

कुछ कानून हैं, जैसे – समान पारिश्रमिक अधिनियम–1986, दहेज निषेध अधिनियम–1961, अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम –1956, गर्भावस्था अधिनियम –1971, मातृत्व लाभ अधिनियम – 1961, सती निवारण अधिनियम – 1987, बाल विवाह निषेध अधिनियम – 2016, लिंग चयन प्रतिषेध अधिनियम – 1994, कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीडन (रोकथाम और संरक्षण) अधिनियम – 2013 आदि।

हाल ही में महिलाओं को संपत्ति का अधिकार 2005 की सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट व्याख्या की है, जिसके माध्यम से यह स्पष्ट हो गया है कि महिलाएं पिता की संपत्ति में हकदार होंगी। यह उन्हें एक तरह की सामाजिक सुरक्षा प्रदान करेगा। इसके अलावा नरेन्द्र मोदी सरकार के नेतृत्व में तीन तलाक पर जो कानून बना है, उसमें मुस्लिम महिलाओं को बड़ा संरक्षण प्रदान किया है तथा महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

भारत विभिन्न विचार धाराओं का देश है, जहां एक ओर नारी को देवी के समान मानकर उनकी पूजा की जाती है तो वहीं दूसरी ओर उन्हें लैंगिक भेदभाव का भी सामना करना पड़ता है। पुत्र को वारिश होने के कारण परिवार में अधिक महत्व दिया जाता है, जबकि महिलाओं को पराया धन समझ कर संपत्ति के अधिकार से भी लंबे समय से वंचित रखा गया है। उन्हें घर व बाहर दोहरी भूमिका निभानी पड़ती है, मगर घर पर लैंगिक भेदभाव और कार्य स्थल में, वेतन में असमानता झेलनी पड़ती है। हम सब जानते हैं कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानियों में भीकाजी कामा, डॉ. एनीबेसेंट, प्रीति लता बाडेडकर, विजय लक्ष्मी पंडित, राजकुमारी अमृत कौर, अरूणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी और कस्तूरबा गांधी शामिल हैं। हां, यहां यह बताना आवश्यक है स्वतंत्रता सेनानी सरोजनी नायडू भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष बनने वाली पहली भारतीय महिला और भारत में उप्र राज्य की राज्यपाल बनने वाली पहली महिला थीं।

भारतीय महिलाओं के योगदान को देखते हुए पं. जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि लोगों को जगाने के लिए महिलाओं को जागृत करना चाहिए। हमारे समाज में फैली बुराइयों में जैसे – दहेज प्रथा, अशिक्षा, यौन उत्पीडन,

असमानता, कन्या भ्रूण हत्या और महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा, बलात्कार, वैश्यावृत्ति, अवैध तस्करी और कई अन्य मुद्दे।

सच तो यही है कि राष्ट्र में लैंगिक भेदभाव, सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक अंतर लाता है जो कि हम सब जानते ही नहीं, मानते भी हैं कि देश को पीछे ले जाता है। ऐसे अपराधों को समाप्त करने के लिए सबसे प्रभावी उपाय भारत के संविधान में उल्लेखित है, मतलब समानता के अधिकार को सुनिश्चित करके महिलाओं को सशक्त बनाना है।

भारतीय समाज में महिलाओं को प्राचीन समय से ही शीर्ष स्थान दिया गया है। हालांकि उन्हें समाज के सभी क्षेत्रों में भागीदारी का अवसर नहीं प्रदान किया गया। उन्हें अपने विकास और विकास के लिए हर पल मजबूत, जागरूक और सतर्क रहने की जरूरत है।

महिलाओं को सशक्त बनाने और देश को विकास के पथ पर ले जाने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना आवश्यक है। क्योंकि बच्चे के साथ सशक्त मां किसी भी राष्ट्र के भविष्य को उज्जवल बना सकती है।

महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक सशक्तीकरण उनके अधिकारों की पूर्ति, उनको भागीदारी और नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए कानूनी, नीति और संस्थागत ढांचे के माध्यम से विभिन्न स्तरों पर व्यापक स्तर पर प्रयास करने की जरूरत है।

73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम में महिला सशक्तिकरण की प्रक्रिया को एक नया आयाम दिया है। जिसमें महिला पंचायत सदस्य, कई क्षेत्रों में नेताओं के रूप में उभरी है।

कई राज्यों में पंचायत चुनावों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया है। यदि यह कहें कि यह राजनैतिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है, तो शायद गलत नहीं होगा। सच तो यही है कि महिलाएं एक शक्ति होती हैं और यह इतिहास में बार-बार साबित हुआ भी है।

भारत में महिलाओं को कई संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं जिससे उनकी सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक स्थिति मजबूत हुई है। मगर आज भी भारतीय समाज में महिलाओं के प्रति सोच और रवैये में आमूल चूल परिवर्तन की आवश्यकता है जिससे कि उन्हें वह सम्मान स्वत: मिल जाये, जिसकी वे अधिकारी है।

अपील : पर्यावरण प्रेमी आर्थिक सहायता देकर पेड़ों के जीवन को बचाने में मदद करें

पेड़ पौधे प्रकृति का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। धरती पर वृक्षों के अस्तित्व के बिना मनुष्य एवं अन्य सभी प्रजातियों के जीवन की कल्पना नहीं कर सकते। वनों के अभाव में प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाएगा तब संपूर्ण वातावरण इतना दूषित हो जाएगा कि हम न ठीक सांस ले सकेंगे और न ही ठीक से अन्न जल ग्रहण कर सकेंगे। वातावरण के दूषित और अशुद्ध होने से हमारा मानसिक, शारीरिक और बौद्धिक विकास न हो सकेगा। लगातार पेड़ों की कटाई एवं मोटर वाहनों का धुंआ, अत्यधिक कार्बन उत्सर्जन आदि कई कारणों से हम जलवायु परिवर्तन जैसी प्राकृतिक समस्याओं से गुजर रहे हैं, जिससे लगातार तापमान में वृद्धि, सूखा, अतिवर्षा जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहे है, जिसका कहीं न कहीं मुख्य कारण

मनुष्यों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का दुरूपयोग माना जा सकता है। एक पेड़ को काटने पर 16 लाख जीव प्रभावित होते हैं क्योंकि बहुत सारे जीव पेड़ के अगल बगल रहते हैं। इकोलॉजी नियम के अनुसार कुल भू-भाग पर 33 प्रतिशत क्षेत्र जंगल होना चाहिए। एक पेड़ जीवन में 8 से 11 टन ऑक्सीजन देता है और 12.6 टन कार्बन डाइऑक्साइड लेता है। एक पेड़ से 20 से 25 व्यक्तियों को ऑक्सीजन मिल सकती है। आज आवश्यकता है धरती को हरा भरा रखने में, इसके लिए हम सभी सहयोग करें ।

पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए विचार समिति पौधारोपण अभियान के साथ सभी लोगों को पौधारोपण के लिए जागरूक करती है। समिति ने बताया वृक्षारोपण अभियान को तभी सफल माना जा सकता है जब पौधे लगाने के साथ-साथ उनकी नियमित देख-रेख की जाए।

हमारे शहर को प्राकृतिक वातावरण शुद्ध एवं सुंदर रखना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा समिति अधिक से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य पूरा करेगी। लगातार पेड़ों की कटाई से पर्यावरण को काफी हानि हुई है। नये पौधों को बड़ा होने में काफी समय लग जाता है साथ ही नियमित देखरेख के अभाव में कई पौधे मर जाते हैं इसीलिए जरूरी है कि नए पौधों की सुरक्षित देखभाल के उचित प्रयास किए जाएं। सभी से अपील है कि **शहर के पर्यावरण प्रेमी नागरिक आगे आएं। आर्थिक सहायता देकर पेड़ों के जीवन को बचाने में मदद करें।** यह कार्य सभी के सहयोग से ही संभव है। पर्यावरण को बचाने के लिए पौधारोपण अति आवश्यक है । आज हम पौधा लगाकर अपना कल सुरक्षित कर सकते हैं। गर्मियों के मौसम में पौधों की देखरेख के लिए विचार समिति के पर्यावरण संरक्षण अभियान मुहिम से जुड़कर सभी तन, मन, धन से सहायता करें। आईएसएफआर 2021 की रिपोर्ट अनुसार मध्यप्रदेश में वन घटे हैं। वन विभाग के जानकारों का कहना है कि वन क्षेत्र घटने की मुख्य वजह जंगलों में होने वाली पेड़ों की कटाई है। लोग या तो खेती के लिए या फिर खनन के लिए जंगल में पेड़ों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

मध्यप्रदेश में वनों की स्थिति -

- भौगोलिक क्षेत्रफल - 3,08,252 वर्ग किमी.
- अत्यंत सघन वन - 6,664.95 वर्ग किमी.
- मध्यम सघन वन - 34,209.02 वर्ग किमी.
- खुला वन - 36,618.63 वर्ग किमी.
- कुल वन क्षेत्र - 77,492.60 वर्ग किमी.
- प्रदेश में वनाच्छादन - 25.14 प्रतिशत

(2019 की तुलना में वनाच्छादन 10.11 फीसदी बढ़ा है)

इनरव्हील क्लब ने विचार समिति को उत्कृष्ट कार्यों के लिए किया सम्मानित

गोमय उत्पाद अनूठी पहल, पहली बार इतनी अच्छी रचनात्मकता देखने को मिली : एनी प्रज्ञा पारीक

विचार समिति को सम्मानित करती हुई इनरव्हील क्लब की टीम।

इंटरनेशनल इनरव्हील एक प्रशासनिक निकाय है। जो विश्व के संगठनों के लिए एक छत्र के रूप में कार्य करता है। यह संगठन विश्व के सबसे बड़े महिला सेवा स्वैच्छिक संगठनों में से एक है। यह 104 से अधिक देशों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इस संगठन में 3,895 क्लबों के साथ 10,80,000 से अधिक सदस्य हैं।

5 निर्वाचित सदस्यों और 16 निर्वाचित बोर्ड निर्देशकों की एक कार्यकारिणी समिति है जो संगठन की देखभाल करते है। इनरव्हील द्वारा प्रत्येक 3 वर्ष में एक मेजबान देश द्वारा समिति और iiw स्वशासी निकाय द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय त्रैवार्षिक सम्मेलन होता है जहां अधिकारों और संवैधानिक स्तर पर चर्चा की जाती है और सदस्यों द्वारा मतदान किया जाता है। यह संगठन मुख्य रूप से बच्चों, महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों के जीवन को खुशनुमा बनाने के साथ लोगों को बेहतर जीवन देने के उद्देश्य से इनरव्हील क्लब जिले और देश दुनिया भर में दान और कारणों के लिए काम की एक विस्तृत श्रृंखला में भाग लेते हैं। जब कोई संकट आता है चाहे वह स्थानीय, राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर या प्राकृतिक आपदाओं के लिए या युद्ध ग्रस्त क्षेत्रों में पीड़ित लोगों के लिए सदस्य व्यवहारिक सहायता के साथ-साथ वित्तीय सहायता करते हैं। इनरव्हील की स्थापना 1924 इंग्लैंड में हुई थी। भारत में 1953 में अहमदाबाद

इनरव्हील क्लब की टीम समिति प्रांगण में।

में शुरू हुआ। यह संगठन सामाजिक सरोकार से जुड़े संस्थानों को सम्मानित एवं उनके द्वारा उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रोत्साहित करता है ।

विचार समिति द्वारा किए जा रहे बुंदेलखंड के समग्र विकास की रूपरेखा देखने के लिए इनरव्हील मंडल अध्यक्ष एवं अध्यक्ष के साथ सभी सदस्यों ने विचार समिति का भ्रमण किया। सभी इनरव्हील पदाधिकारी, सदस्यों का स्वागत करते हुए समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने विचार की सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया एवं मोहल्ला विकास योजना एवं स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गोमय उत्पादों की जानकारी दी।

बैठक में कार्यकारिणी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत एवं मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया व इनरव्हील क्लब के सदस्यों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। इनरव्हील क्लब इंदौर से मंडल अध्यक्ष एनी प्रज्ञा पारीक ने समिति की पूर्व गतिविधियों की सराहना करते हुए विचार के गोमय उत्पादों को अनूठी पहल बताया। उन्होंने कहा पहली बार इतनी अच्छी रचनात्मकता देखने को मिली है। इनरव्हील क्लब सागर अध्यक्ष नेहा राजपूत ने कहा विचारों से प्रेरणा मिलती है और ऊर्जा भी।

उन्होंने कहा समिति द्वारा चलाए जा रहे महिला जागरूकता अभियान, पर्यावरण के लिए पौधारोपण संरक्षण, बच्चों में शिक्षा, राष्ट्रीयता के प्रति गतिविधियां आदि समाज में नया संदेश दे रहे हैं।

कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में इनरव्हील क्लब द्वारा विचार समिति के लिए उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए 'इनरव्हील अवार्ड' से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समिति सदस्य राहुल अहिरवार, माधव यादव, पूजा प्रजापति, भाग्यश्री राय उपस्थित थीं।

ग्लूकोस, नीबू पानी करवाएंगे उपलब्ध, जिससे लोग ऊर्जा से रहे भरपूर : सौरभ राधेलिया

राहगीर को पानी पिलाती हुई विचार सदस्य पूजा लोधी।

विचार समिति और सिंघई दिलीप सौरभ फाउंडेशन के सहयोग से कटरा बाजार में प्याऊ का शुभारंभ हुआ। इससे राहगीरों को शीतल पानी मिल सकेगा। समिति कार्यकारिणी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा जल का संरक्षण और सही उपयोग करना हम सभी का कर्तव्य है। नेकी की दीवार से जरूरतमंद लोगों की काफी मदद हो जाती है। साथ में इस प्याऊ के माध्यम से उन्हें भीषण गर्मी में राहत मिल सकेगी।

विचार समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने उपस्थित सभी लोगों को बताया पानी जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। पानी की कमी से शरीर में खनिज, शर्करा, नमक आदि कई तत्वो की कमी हो जाती है जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आ जाती हैं। इस प्याऊ के माध्यम से सभी राहगीरों को प्यास बुझाने में मदद मिलेगी। साथ ही पानी के साथ ग्लूकोज, नींबू पानी लोगों को उपलब्ध होगा, जिससे वे उर्जा से भरपूर रहें। यह व्यवस्था पूरी गर्मी संचालित रहेगी। इस अवसर पर समिति सदस्य पूजा प्रजापति, पूजा लोधी, जवाहर दाऊ, विनय चौरसिया उपस्थित थे।

विचार समिति ने दिल्ली में प्रारंभ किया नया कार्यालय

देश में सेवा का कार्य करेगी विचार समिति : आकांक्षा

दिल्ली के कार्यालय में संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया, सचिव आकांक्षा मलैया, देश प्रमुख भुवनेश सोनी, भारतीय विदेश सेवा अधिकारी नवीन उपाध्याय, पॉलिसी रिसर्च फाउंडेशन विवेक सिंह, अंकिता मिश्रा, अनुष्का मलैया, प्रसाद राजे भोपाल, वरदा जगदे उपस्थित थीं।

सागर के बाद देश-विदेश में सेवा कार्य करने के लिए विचार समिति ने दिल्ली में कार्यालय का शुभारम्भ किया। कार्यालय का शुभारंभ करते हुए समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि औद्योगीकरण से समस्याओं का हल नहीं होगा। यह उन देशों के लिए कारगर रहा जिन देशों में जनसंख्या कम थी। भारत की दृष्टि से हमें मेन पावर वाली नीतियां बनानी होंगी जिनमें अधिक से अधिक लोग जुड़ सकें । हमे 'वोकल फॉर लोकल' को प्राथमिकता देनी होगी। विकास के साथ नए मॉडल से काम करते हुए हम अपनों के जीवन में आधारभूत परिवर्तन लाना चाहते हैं । हम उन नीतियों पर कार्य करें जो आवश्यक है। साथ ही सरकार इन नीतियों को प्रभावी बनाने में सहयोग करें । दिल्ली में इस कार्यालय के माध्यम से विचारात्मक नीतियों से संबंधित, वित्तीय तथा सरकारी सहयोग के साथ बेहतर कार्य कर सकेंगे। हम लोगों के जीवन में परिवर्तन लाना चाहते हैं और यह बदलाव प्रेम और विश्वास के साथ ईमानदारी से लाया जा सकता है।

उद्घाटन के उपलक्ष्य में गोमय दिये भेंट करते हुए समिति के पदाधिकारी।

समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने कहा कि दिल्ली में कार्यालय खोलने का उद्देश्य देश में सेवा का कार्य कर सकें। हम विगत 18 वर्षों से सागर सुधार-सागर विकास में समाज कल्याण के साथ कार्य कर रहे हैं जिसमें समिति ने कई ऐसे कार्य किए हैं जो देश में पहली बार हुए हैं और इन्हें दूसरी जगह लागू करके हम और बेहतर समाज सेवा करके सागर को विकास का माडल बना सकते हैं। कई विचारकों के साथ मिलकर नीतियों पर पूरे देश के लिए कार्य करेंगे।

समिति के देश प्रमुख भुवनेश सोनी ने दूसरे कार्यालय की जानकारी देते हुए बताया हम पूरे देश में विचार की कार्य नीति से अवगत कराते हुए लोगों से जुड़ेंगे । साथ ही यह कार्यालय विचार के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में काफी मददगार होगा। भारतीय विदेश सेवा अधिकारी नवीन उपाध्याय ने समिति को शुभकामनाएं देते हुए कहा मुझे खुशी होती है कि विचार जमीनी स्तर पर कार्य कर रहा है जो प्रभावी रूप से बदलाव लाएंगे। पॉलिसी रिसर्च फाउंडेशन से विवेक सिंह ने शिक्षा को महत्व देते हुए कहा शिक्षा हमारी बुनियादी नीव है। इस पर काफी प्रभावी रूप से कार्य किए जाने चाहिए। एक शिक्षित व्यक्ति विभिन्न तरीकों से सामाजिक सार्थक रूप से कार्य करता है। उदाहरण के लिए वे बताते हैं कि ग्राम प्रधान शिक्षित है तो वह अपने ग्राम के लिए चहुंमुखी विकास के लिए प्रयास करता है, साथ ही वह सार्थक रूप से कार्य भी करता है। सरकार के द्वारा दिए जा रहे फंड को सही मायनों में उपयोग करता है। उद्घाटन समारोह में अंकिता मिश्रा, अनुष्का मलैया, प्रसाद राजे भोपाल, वरदा जगदे उपस्थित थे।

विचार समिति और सिंघई दिलीप सौरभ फाउंडेशन के सदस्यों ने आनंदाश्रम में बुजुर्गों को खाना खिलाया

बुजुर्ग हमारे आंगन की छांव होते हैं : सौरभ रांधेलिया

आनंदाश्रम में बुजुर्गों को भोजन कराते हुए विचार समिति टीम।

विचार समिति और सिंघई दिलीप सौरभ फाउंडेशन के सदस्यों ने होली मिलन समारोह के अंतर्गत रेडक्रास सोसायटी द्वारा संचालित मप्र शासन द्वारा वित्त पोषित आनंदाश्रम जाकर बुजुर्गों को दालबाटी खिलाकर उनके साथ समय व्यतीत कर उनका हालचाल जाना।

इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने वृद्धों के साथ समय व्यतीत करते हुए बतातीं हैं कि दालबाटी खिलाकर आत्म संतुष्टि देखने को मिली। उन्होंने वृद्धों से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि हम अपने घर परिवार को याद करते हैं। बच्चे, मां-बाप को भूल जाते हैं लेकिन मां-बाप अंतिम सांस तक बच्चों को याद करते रहते हैं।

समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने कहा कि मुझे बड़े-बुजुर्गों के बीच आकर बहुत खुशी महसूस होती है। उन्हें भी अपनापन लगता है। यह काफी दुखद है कि जीवन के अंतिम पड़ाव में उन्हें अपनों द्वारा छोड़ दिया गया। हमारी कोशिश होती है कि इन्हें हम अपनी खुशियों में शामिल करें। हम सभी को समझना चाहिए कि बुजुर्ग हमारे आंगन की छांव होते हैं।

आनंदाश्रम में उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया व विचार टीम।

समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बताते हुए कहा कि हमारे बीच में वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धजनों को भी इस त्योहार से जोड़ने का हम सभी का सामाजिक दायित्व है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए विचार समिति सदस्यों ने वृद्धाश्रम जाकर दालबाटी खिलाकर बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया। समिति समय-समय पर वृद्धाश्रम के वृद्धों को शहर के दार्शनिक स्थल की यात्रा करवाती है। समिति का आभार व्यक्त करते हुए आनंदाश्रम के वार्डवाय देवेन्द्र सिंह ने कहा कि पिछले वर्ष सभी वृद्धों को दार्शनिक स्थलों पर घुमाया था जिससे वे बहुत खुश हुए थे। आनंदाश्रम में रह रहे मोहनलाल कहते हैं कि यहां व्यवस्थाएं अच्छी हैं। आप सभी के मिलने से अपनापन बना रहता है। हमें अपनों ने जरूर छोड़ दिया लेकिन इस समाज में नेक दिल इंसानों की कमी नहीं है। बुजुर्ग दुर्गा प्रसाद पिछले 12 वर्षों से इस आश्रम में रह रहे हैं। वे बताते हैं कि इस आश्रम से उन्हें काफी राहत मिली है।

कार्यक्रम में समिति सहायक रजनी जैन, राहुल अहिरवार, माधव यादव, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी, विनय चौरसिया, जवाहर दाऊ, अरविंद, इंटर्नशिप कर रहीं छात्राएं आरती उपाध्याय, प्रियंका तिवारी, अंजली अहिरवार, रेखा उपाध्याय, पूनम पटैल उपस्थित थीं।

गोमय उत्पाद से महिलाएं आर्थिक स्वालंबन की ओर आगे बढ़ रहीं

सुंदर कलाकृतियों से निर्मित रंग-बिरंगे गोमय दिये।

गाय के गोबर से तैयार होने वाले विभिन्न उत्पादों की बाजार में बहुत मांग बढ़ रही है। इसका मुख्य कारण है कि यह दिए प्राकृतिक होने के साथ-साथ बाद में इनका अपशिष्ट शेष नहीं होता नहीं होता, बल्कि गमलों में यह खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता हैं। समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया बताते हैं कि समिति दो वर्षों से गोमय उत्पाद पर कार्य कर रही है।

अब हम इन उत्पादों को बनाने में आत्मनिर्भर हो चुके हैं। हमारे दिए आग नहीं पकड़ते साथ ही तेल का रिसाव नही होता है। कई शानदार डिजाइन के साथ गोमय उत्पाद उपलब्ध हैं ।

विचार सेवक राहुल अहिरवार ने बताया कि गोबर से निर्मित धूपबत्ती, मच्छरबत्ती, एवं दिया, मोमेंटो, झूमर आदि तरह-तरह की कलाकृतियों के साथ बनायी जा रही हैं जिसमें महिलाओं को घर बैठकर गोबर से विभिन्न उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण समिति द्वारा दिया व महिलाओं ने बड़े ही रुचि के साथ इस कार्य को सीखा । इन उत्पादों के माध्यम से महिलाएं आर्थिक स्वालंबन की ओर आगे बढ़ेगी जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

महिलाओं द्वारा बनाए गए गुणवत्तापूर्ण दिए टीम द्वारा एकत्र किए जाते हैं एवं अन्य सभी जानकारियां उन्हें दी जाती है। इन सभी दिए पर बेस कलर के बाद इन कलाकृतियां उकेरी जाती हैं। सभी महिलाओं को दिए अनुसार भुगतान किया जाता है। रंग-बिरंगे दिए पैकिंग करके तैयार किए जा रहे हैं। गोमय आधारित रंग-बिरंगे दिए ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यम से प्राप्त किए जा सकते हैं। ऑफलाइन के लिए कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं एवं ऑनलाइन खरीदने के लिए WWW.VICHARSAMITI.IN पर जाकर Shop पर क्लिक करें।

रोजगार योजनाओं का लाभ कैसे लें

सभी नागरिकों को रोजगार संबंधी सुविधाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से सरकार ने योजनाओं एवं कार्यक्रमों की शुरुआत की एवं उन्हें लागू किया। इस खंड में रोजगार संबंधी कार्यक्रमों, नीतियों, योजनाओं व प्रपत्रों इत्यादि की जानकारी इंटरनेट स्त्रोतों से ली गई है। किसी भी प्रकार की गलती के लिए विचार समिति जिम्मेदार नहीं रहेगी।

1. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना -

इस योजना का उद्देश्य उद्यमियों को मदद करना है जो या तो उनके प्रारंभिक चरण में हैं या अपने कारोबार शुरू करने के लिए कम धन की आवश्यकता रखते हैं। इस योजना के तहत किसी को अधिकतम 50000 रुपए का लाभ मिल सकता है। प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना का शुभारंभ वर्ष 2015 में किया गया था। इस योजना के अंतर्गत देश के लोगों को खुद का छोटा व्यवसाय शुरू करने के लिए 10 लाख रूपये तक का लोन प्रदान किया जा रहा है। अगर कोई भी व्यक्ति अपने कारोबार को आगे बढ़ाना चाहते हैं तो वह भी इस योजना के तहत लाभ ले सकते हैं।

पात्रता मापदंड

• 18 वर्ष से अधिक आयु वाले सभी आवेदक मुद्रा ऋण के लिए आवेदन कर सकते हैं।

• निवास स्थान – मध्यप्रदेश

• इस योजना के अंतर्गत जो इच्छुक लाभार्थी लोन प्राप्त करने के लिए आवेदन करना चाहते हैं वह अपने नजदीकी सरकारी बैंक, निजी बैंक, ग्रामीण बैंक और वाणिज्य बैंक आदि में अपने सभी दस्तावेजों के साथ जाकर आवेदन कर सकते है।

• इसके बाद जिस बैंक से आप लोन लेना चाहते हैं वहां से फार्म लेकर भर दें और फॉर्म को भरकर अपने सभी दस्तावेजों के साथ अटैच करके बैंक के अधिकारी के पास जमा कर दें फिर आपके सभी दस्तावेजों का सत्यापन कर बैंक द्वारा आपको 1 महीने के अंदर लोन दे दिया जायेगा।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के प्रकार – इस योजना के तहत तीन तरह के लोन दिए जाते है।

• **शिशु लोन** – इस प्रकार के मुद्रा योजना के अंतर्गत 50,000 रुपये तक का लोन लाभार्थियों को आवंटित किया जाएगा।

• **किशोर लोन** – इस प्रकार के मुद्रा योजना के अंतर्गत 50,000 से लेकर 5,00,000 रुपये तक का लोन लाभार्थियों का आवंटित किया जाएगा।

• **तरुण लोन** – 5 लाख से अधिक और 10 लाख तक के ऋण को कवर करेगा।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के लाभार्थी –

• सोल प्रोपराइटर

• पार्टनरशिप

• सर्विस सेक्टर की कंपनियां

• माइक्रो उद्योग

• मरम्मत की दुकानें

• ट्रकों के मालिक

• खाने से संबंधित व्यापार

• विक्रेता

• माइक्रो मेनूफैक्चरिंग फर्म

मुद्रा ऋण के लिए दस्तावेज-

• लोन लेने वाले व्यक्ति की आयु 18 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए।

• आवेदक किसी भी बैंक में डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। • आधार कार्ड • पैन कार्ड • आवेदन का स्थायी पता • बिजनेस पता और स्थापना का प्रमाण • पिछले तीन सालों की Balance Sheet, Income Tax Returns, Self tax Returns • पासपोर्ट साइज फोटो

2. प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम-

इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के माध्यम से रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना है।

लाभ -

• विनिर्माण क्षेत्र में स्वीकार्य परियोजना/ इकाई स्थापना की अधिकतम लागत सीमा 25 लाख रुपये है और व्यवसाय/सेवा क्षेत्र में यह 10 लाख रुपये है।

• पीएमजीईपी (परियोजना लागत के संदर्भ में) के अंतर्गत सब्सिडी की दर। सामान्य वर्ग के लिए – 15 प्रति. (शहरी), 25 प्रति. (ग्रामीण)। विशेष (एससी / एसटी/ ओबीसी/ अल्पसंख्यक/ महिला, भूतपूर्व सैनिक, शारीरिक रूप से विकलांग, एनईआर, पहाड़ी और सीमा क्षेत्र आदि) – 25 प्रति. (शहरी), 35 प्रति. (ग्रामीण)।

• कुल परियोजना लागत की शेष राशि बैंकों द्वारा मियादी ऋण और कार्यशील पूंजी के रूप में प्रदान की जाएगी।

पात्रता -

• 18 वर्ष से अधिक उम्र का कोई भी व्यक्ति।

• विनिर्माण क्षेत्र में 10 लाख रुपये से अधिक लागत की परियोजना और व्यवसाय/सेवा क्षेत्र में 5 लाख रुपये से अधिक की परियोजना के लिए।

• पीएमईजीपी के अंतर्गत योजना के तहत सहायता केवल विशिष्ट नई स्वीकार्य परियोजना के लिए ही उपलब्ध है।

• स्वयं सेवी समूह (बीपीएल समेत जिन्होंने अन्य किसी योजना के तहत लाभ न लिया हो) भी पीएमईजीपी के अंतर्गत सहायता के लिए योग्य हैं, सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत संस्थान, उत्पादक को-ऑपरेटिव सोसायटी और चैरिटेबल ट्रस्ट इसके अंतर्गत पात्रधारी हैं।

मौजूदा इकाइयां (पीएमआरवाई, आरईजीपी या भारत सरकार या राज्य सरकार की किसी अन्य योजना के तहत) और वे इकाइयां जो भारत सरकार या राज्य सरकार की किसी अन्य योजना के तहत पहले ही सरकारी सब्सिडी ले चुकी हैं। इसके अंतर्गत पात्र नहीं हैं।

कैसे आवेदन करें -

केवीआइसी के राज्य/ मंडल निदेशक केवीआइबी और संबंधित राज्य के उद्योग निदेशक (DIC के लिए) के साथ विमर्श के बाद स्थानीय रूप से प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विज्ञापन दिया जाएगा, जिसमें पीएमईजीपी के अंतर्गत इच्छुक लाभार्थियों से परियोजना के प्रस्तावों के साथ-साथ उद्यम की स्थापना / सेवा इकाइयों की शुरुआत के प्रस्ताव आमंत्रित किये जाएंगे। लाभार्थी अपना आवेदन इस लिंक https://www.kviconline.gov.in/pmegpeportal/pmegphome/inde&.jsp पर ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। आवेदन का प्रिंटआउट लेकर और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित कार्यालय में जमा करा सकते हैं।

किस तरह के उद्योग लगा सकते है -

• वन आधारित उद्योग
• खनिज आधारित उद्योग
• खाद्य उद्योग
• कृषि आधारित
• इंजीनियरिंग
• रसायन आधारित उद्योग
• वस्त्रोद्योग (खादी को छोड़कर)
• सेवा उद्योग
• गैर परम्परागत ऊर्जा

दस्तावेज –

• आवेदक का आधार कार्ड •पैन कार्ड
• जाति प्रमाण पत्र •निवास प्रमाण पत्र
• शैक्षणिक योग्यता का प्रमाण पत्र •मोबाइल नंबर
• पासपोर्ट साइज फोटो

इन सभी दस्तावेजों की एक हार्ड कॉपी आपको विभाग में जमा करानी होती है।

मप्र मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना -

इस योजना को 13 मार्च 2021 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के द्वारा आरंभ किया गया है। मध्यप्रदेश के युवाओं को अपना खुद का उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत प्रदान किए गए ऋण की गारंटी सरकार द्वारा बैंक को प्रदान की जाएगी। इस योजना की एक खास बात यह भी है कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लाभार्थियों को ऋण पर ब्याज सब्सिडी भी प्रदान की जाएगी। प्रदेश के नागरिक अपना खुद का स्वरोजगार स्थापित कर पाएंगे।

योजना का लाभ –

विनिर्माण इकाई और उद्यम स्थापित करने वाले युवाओं को 100000 से लेकर 5000000 एवं सेवा क्षेत्र के लिए 100000 से 2500000 तक का ऋण मुहैया कराया जाएगा। इस योजना का लाभ केवल नवीन उद्यम स्थापित करने वाले नागरिकों को ही प्रदान किया जाएगा। इस योजना के प्रावधान सभी वर्गों के आवेदक के लिए समान होंगे। केवल वही नागरिक इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं जो किसी बैंक के किसी वित्तीय संस्था में डिफाल्टर न हो। इस योजना का कार्यान्वयन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा किया जाएगा। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के नागरिक आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनेंगे। केवल प्रदेश के बेरोजगार नागरिक ही इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

पात्रता –

• आवेदक मध्य प्रदेश का स्थाई निवासी होना चाहिए।

• इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम आयु 40 वर्ष निर्धारित की गई है।

• आवेदक द्वारा न्यूनतम 12वीं कक्षा उत्तीर्ण की होनी चाहिए।

• इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 1200000 या फिर इससे कम होनी चाहिए।

• यदि आवेदक कर दाता है तो इस स्थिति में आवेदक द्वारा पिछले 3 वर्षों के आयकर विवरण आवेदन के साथ जमा किए होने चाहिए।

•केवल नवीन उद्यम स्थापित करने वाले उद्यमियों को ही इस योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा।

•केवल वही नागरिक इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं जो किसी बैंक या किसी वित्तीय संस्थान में डिफॉल्टर ना हो।

•आवेदक द्वारा केंद्र या राज्य सरकार की किसी अन्य स्वरोजगार योजना का लाभ प्राप्त नहीं किया जा रहा हो।

महत्वपूर्ण दस्तावेज –

• आधार कार्ड •बैंक पासबुक की प्रति •निवास प्रमाण पत्र •राशन कार्ड •पहचान पत्र •मोबाइल नंबर • पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 28-03-2022

देश में सेवा का कार्य करेगी विचार समिति : आकांक्षा

सागर की विचार समिति ने दिल्ली में प्रारम्भ किया नया कार्यालय

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति के कार्यालय का दिल्ली में शुभारंभ हुआ। समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि औद्योगीकरण से समस्याओं का हल नहीं होगा। यह उन देशों के लिए कारगर रहा जिन देशों में जनसंख्या कम थी। भारत की दृष्टि से हमें मेन पावर वाली नीतियां बनानी होंगी। जिनमें अधिक से अधिक लोग जुड़ सकें । हमें वोकल फॉर लोकल को प्राथमिकता देनी होगी। दिल्ली में इस कार्यालय के माध्यम से विचारात्मक नीतियों से संबंधित, वित्तीय तथा सरकारी सहयोग के साथ बेहतर कार्य कर सकेंगे।

समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने कहा कि दिल्ली में कार्यालय खोलने का उद्देश्य देश में सेवा का कार्य कर सकें। हम विगत 18 वर्षों से सागर सुधार-सागर विकास में समाज कल्याण के साथ कार्य कर रहे हैं। जिसमें

सागर| दिल्ली के कार्यालय में मौजूद विचार टीम।

समिति ने कई ऐसे कार्य किए हैं जो देश में पहली बार हुए हैं और इन्हें दूसरी जगह लागू करके हम और बेहतर समाज सेवा करके सागर को विकास का माडल बना सकते हैं। समिति के देश प्रमुख भुवनेश सोनी, भारतीय विदेश सेवा अधिकारी नवीन उपाध्याय, पॉलिसी रिसर्च फाउंडेशन से विवेक सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर अंकिता मिश्रा, अनुष्का मलैया, प्रसाद राजे भोपाल, वरदा जगदे उपस्थित थे।

सिंगरौली • अनुपपुर सागर, 07 मार्च 2022 6

विचार संस्था रचनाधर्मी ऊर्जा का एक अभियान है : नेहा

इनरव्हील मण्डल अध्यक्ष ने किया विचार संस्था का भ्रमण

नरसिंहपुर। गोबर से बने दीपक, मालायें और अन्य सामग्री को इतनी सुन्दरता से बना देख कर कोई भी आश्चर्य चकित हो सकता है। कुछ ऐसा ही हुआ जब इनरव्हील क्लब सागर द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में इन्दौर से पधारी मण्डल अध्यक्ष एनी प्रज्ञा पारीक ने विचार संस्था के उत्पादन और कार्यों को देखा।

रो कपिल मलैया और एनी प्रीति मलैया के ड्रीम प्रोजेक्ट विचार के विभिन्न परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी सुनीता जैन, अखिलेश समैया और टीम सदस्योंके द्वारा दी गयी। एनी प्रज्ञा पारीक ने कहा कि यह एक अनूठी पहल है और पहली बार इतनी अच्छी रचना देखने को मिली जो गोबर से निर्मित है। इसके लिए उन्होंने विचार संस्था और इनरव्हील क्लब सागर को बधाईयाँ दी। इनरव्हील क्लब सागर अध्यक्ष एनी नेहा राजपूत ने कहा कि विचारों से प्रेरणा मिलती है और ऊर्जा भी। विचार समाज को साँस्कृतिक मूल्यों से समृध्द बनाते हैं। विचार संस्था के द्वारा किये जा रहे कार्य देश भक्ति, पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता के लिए समाज में नया संदेश दे रहे हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में विचार संस्था के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का स्वागत गाय के गोबर से बनी मालाओं और दीपक आदि से किया। फिर महिला जागरूकता के लिए किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुनीता जैन ने किया, नितिन पटैरिया ने परियोजना विषयक जानकारी दी और अखिलेश समैया ने आभार व्यक्त किया।

दैनिक भास्कर सागर 27-03-2022

पहल: प्याऊ का शुभारंभ, ग्लूकोस, नींबू पानी भी लोगों को उपलब्ध करवाएंगे

सागर | विचार समिति एवं सिंघई दिलीप सौरभ फाउंडेशन के सहयोग से शनिवार को कटरा बाजार में प्याऊ का शुभारंभ हुआ। जिससे राहगीरों को शीतल पानी मिल सकेगा। इस अवसर पर विचार समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने मौजूद सभी लोगों को बताया कि पानी की कमी से शरीर में खनिज, शर्करा ,नमक आदि कई तत्वों की कमी हो जाती हैं। जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आ जाती है। इस प्याऊ के माध्यम से सभी राहगीरों को प्यास बुझाने में मदद मिलेगी। साथ ही पानी के साथ ग्लूकोज, नींबू पानी लोगों को उपलब्ध होगा। जिससे वह ऊर्जा से भरपूर रहें। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा जल का संरक्षण और सही उपयोग करना हम सभी का कर्तव्य है। नेकी की दीवार से जरूरतमंद लोगों की काफी मदद हो जाती है। साथ में इस प्याऊ के माध्यम से उन्हें भीषण गर्मी में राहत मिल सकेगी ।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 30-03-2022

बुजुर्ग हमारे आंगन की छांव होते हैं : रांधेलिया

सागर | विचार समिति व सिंघई दिलीप सौरभ फाउंडेशन के सदस्यों ने मंगलवार को होली मिलन कार्यक्रम मनाया। समिति के सदस्यों ने आनंदाश्रम जाकर बुजुर्गों को दालबाटी खिलाकर उनका हालचाल जाना। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा वृद्धों ने बताया कि हम अपने घर परिवार को याद करते हैं। बच्चे, मां-बाप को भूल जाते हैं लेकिन मां-बाप अंतिम सांस तक बच्चों को याद करते रहते हैं। उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने कहा यह काफी दुखद है कि जीवन के अंतिम पड़ाव में उन्हें अपनों द्वारा छोड़ दिया गया। हम सभी को समझना चाहिए कि बुजुर्ग हमारे आंगन की छांव होते हैं। नितिन पटैरिया ने कहा हमारे बीच में वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धजनों को भी इस त्योहार से जोड़ने का हम सभी का सामाजिक दायित्व है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए विचार समिति ने यह कार्यक्रम किया। आनंदाश्रम के वार्ड वाय देवेंद्र सिंह ने आभार जताया। बुजुर्ग मोहनलाल, दुर्गा प्रसाद ने अपने अनुभव सांझा किए। कार्यक्रम में समिति सहायक रजनी जैन, राहुल अहिरवार, माधव यादव, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी, विनय चौरसिया आदि मौजूद थे।

नव भारत भोपाल, सोमवार, 28 मार्च, 2022

कटरा में प्याऊ का शुभारंभ किया गया

सागर. विचार समिति और सिंघई दिलीप सौरभ फाउंडेशन के सहयोग से कटरा बाजार में प्याऊ का शुभारंभ हुआ. विचार समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बताया कि पानी जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व है पानी की कमी से शरीर में खनिज, शर्करा, नमक आदि कई तत्वो की कमी हो जाती है, जिसके स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आ जाती है. इस इस प्याऊ के माध्यम से सभी राहगीरों को प्यास बुझाने में मदद मिलेगी. साथ ही पानी के साथ ग्लूकोज, नींबू पानी लोगों को उपलब्ध होगा जिससे से उर्जा से भरपूर रहे. यह व्यवस्था पूरी गर्मी भर संचालित रहेगी. इस अवसर पर समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, जवाहर दाऊ, विनय चौरसिया, शिवराज, अंकित, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी, भाग्यश्री राय, प्रियंका कुर्मी, प्रियंका तिवारी, आरती उपाध्याय, पूनम पटेल उपस्थित रहे.

सागर, बुधवार, 30 मार्च 2022 2

बुजुर्ग हमारे आंगन की छांव होते हैं : सौरभ

सागर, आचरण संवाददाता।

विचार समिति सदस्यों ने होली मिलन समारोह के अंतर्गत रेडक्रास सोसायटी द्वारा संचालित मप्र शासन द्वारा वित्त पोषित आनंदाश्रम जाकर बुजुर्गों को दालबाटी खिलाकर उनके साथ समय व्यतीत कर उनका हालचाल जाना। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने वृद्धों के साथ समय व्यतीत करते हुए बतातीं हैं कि दालबाटी खिलाकर आत्म संतुष्टि देखने को मिली। उन्होंने वृद्धों से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि हम अपने घर परिवार को याद करते हैं। बच्चे, मां-बाप को भूल जाते हैं लेकिन मां-बाप अंतिम सांस तक बच्चों को याद करते रहते हैं। समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने कहा कि मुझे बड़े-बुजुर्गों के बीच आकर बहुत खुशी महसूस होती है। उन्हें भी अपनापन लगता है। यह काफी दुखद है कि जीवन के अंतिम पड़ाव में उन्हें अपनों द्वारा छोड़ दिया गया। हमारी कोशिश होती है कि इन्हें हम अपनी खुशियों में शामिल करें।

हम सभी को समझना चाहिए कि बुजुर्ग हमारे आंगन की छांव होते हैं। समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बताते हुए कहा कि हमारे बीच में वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धजनों को भी इस त्यौहार से जोड़ने का हम सभी का सामाजिक दायित्व है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए विचार समिति सदस्यों ने वृद्धाश्रम जाकर दालबाटी खिलाकर बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया। समिति समय-समय पर वृद्धाश्रम के वृद्धों को शहर के दार्शनिक स्थल की यात्रा करवाती है। समिति का आभार व्यक्त करते हुए आनंदाश्रम के वार्डवाय देवेन्द्र सिंह ने कहा कि पिछले वर्ष सभी वृद्धों को दार्शनिक स्थलों पर घुमाया था जिससे वे बहुत खुश हुए थे। आनंदाश्रम में रह रहे मोहनलाल कहते हैं कि यहां व्यवस्थाएं अच्छी हैं। कार्यक्रम में समिति सहायक रजनी जैन, राहुल अहिरवार, माधव यादव, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी, विनय चौरसिया, जवाहर दाऊ, अरविंद, इंटर्नशिप कर रहीं छात्राएं आरती उपाध्याय, प्रियंका तिवारी, अंजली अहिरवार, रेखा उपाध्याय, पूनम पटैल आदि उपस्थित थीं।

विचार समिति ने आनंदाश्रम में बुजुर्गों को खाना खिलाया

सागर दिनकर

सागर। विचार समिति सदस्यों ने होली मिलन समारोह के अंतर्गत रेडक्रास सोसायटी द्वारा संचालित मप्र शासन द्वारा वित्त पोषित आनंदाश्रम जाकर बुजुर्गों को दालबाटी खिलाकर उनके साथ समय व्यतीत कर उनका हालचाल जाना।

इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने वृद्धों के साथ समय व्यतीत करते हुए बतातीं हैं कि दालबाटी खिलाकर आत्म संतुष्टि देखने को मिली। उन्होंने वृद्धों से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि हम अपने घर परिवार को याद करते हैं। बच्चे, मां-बाप को भूल जाते हैं लेकिन मां-बाप अंतिम सांस तक बच्चों को याद करते रहते हैं।

समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने कहा कि मुझे बड़े-बुजुर्गों के बीच आकर बहुत खुशी महसूस होती है। उन्हें भी अपनापन लगता है। यह काफी दुखद है कि जीवन के अंतिम पड़ाव में उन्हें अपनों द्वारा छोड़ दिया गया। हमारी कोशिश होती है कि इन्हें हम अपनी खुशियों में शामिल करें। हम सभी को समझना चाहिए कि बुजुर्ग हमारे आंगन की छांव होते हैं।

समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बताते हुए कहा कि हमारे बीच में वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धजनों को भी इस त्योहार से जोड़ने का हम सभी का सामाजिक दायित्व है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए विचार समिति सदस्यों ने वृद्धाश्रम जाकर दालबाटी खिलाकर बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया। समिति समय-समय पर वृद्धाश्रम के वृद्धों को शहर के दार्शनिक स्थल की यात्रा करवाती है। समिति का आभार व्यक्त करते हुए आनंदाश्रम के वार्डवाय देवेन्द्र सिंह ने कहा कि पिछले वर्ष सभी वृद्धों को दार्शनिक स्थलों पर घुमाया था जिससे वे बहुत खुश हुए थे।

आनंदाश्रम में रह रहे मोहनलाल कहते हैं कि यहां व्यवस्थाएं अच्छी हैं। आप सभी के मिलने से अपनापन बना रहता है। हमें अपनों ने जरूर छोड़ दिया लेकिन इस समाज में नेक दिल इंसानों की कमी नहीं है। बुजुर्ग दुर्गा प्रसाद पिछले 12 वर्षों से इस आश्रम में रह रहे हैं। वे बताते हैं कि इस आश्रम से उन्हें काफी राहत मिली है। कार्यक्रम में समिति सहायक रजनी जैन, राहुल अहिरवार, माधव यादव, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी, विनय चौरसिया, जवाहर दाऊ, अरविंद, इंटर्नशिप कर रहीं छात्राएं आरती उपाध्याय, प्रियंका तिवारी, अंजली अहिरवार, रेखा उपाध्याय, पूनम पटैल आदि उपस्थित थीं।

पीपुल्स समाचार

कटरा बाजार में प्याऊ का हुआ शुभारंभ

सागर। विचार समिति और सिंघई दिलीप सौरभ फाउंडेशन के सहयोग से कटरा बाजार में प्याऊ का शुभारंभ हुआ। इससे राहगीरों को शीतल पानी मिल सकेगा। विचार समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने उपस्थित सभी लोगों को बताया पानी जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व है पानी की कमी से शरीर में खनिज, शर्करा ,नमक आदि कई तत्वो की कमी हो जाती है। जिसके स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आ जाती है। इस इस प्याऊ के माध्यम से से सभी राहगीरों को प्यास बुझाने में मदद मिलेगी। साथ ही पानी के साथ ग्लूकोज, नींबू पानी लोगों को उपलब्ध होगा जिससे से उर्जा से भरपूर रहे। यह व्यवस्था पूरी गर्मी भर संचालित रहेगी।

राज एक्सप्रेस

Published in 28 Mar-2022 print edition of Raj Express

ग्लूकोज और नींबू पानी करवाएंगे उपलब्ध, जिससे लोग ऊर्जा से रहें भरपूर: सौरभ रांधेलिया

सागर (आरएनएन)। विचार समिति और सिंघई दिलीप सौरभ फाउंडेशन के सहयोग से कटरा बाजार में प्याऊ का शुभारंभ हुआ। इससे राहगीरों को शीतल पानी मिल सकेगा। विचार समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने उपस्थित सभी लोगों को बताया कि पानी जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व है पानी की कमी से शरीर में खनिज, शर्करा, नमक आदि कई तत्वों की कमी हो जाती है। जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आ जाती है। इस इस प्याऊ के माध्यम से सभी राहगीरों को प्यास बुझाने में मदद मिलेगी। साथ ही पानी के साथ ग्लूकोज, नींबू पानी लोगों को उपलब्ध होगा जिससे से ऊर्जा से भरपूर रहे। यह व्यवस्था पूरी गर्मी भर संचालित रहेगी। समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि जल का संरक्षण और सही उपयोग करना हम सभी का कर्तव्य है। नेकी की दीवार से जरूरतमंद लोगों की काफी मदद हो जाती है। साथ में इस प्याऊ के माध्यम से उन्हें भीषण गर्मी में राहत मिल सकेगी। इस दौरान समिति सदस्य जवाहर दाऊ, विनय चौरसिया, शिवराज, अंकित, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी, भाग्यश्री राय, प्रियंका कुर्मी, इंटर्नशिप कर रही प्रियंका तिवारी, आरती उपाध्याय, पूनम पटेल उपस्थित रहे।

॥ विचार समिति ॥

(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्रा में दान देकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतु जानकारी इस प्रकार है।

Bank a/c name- VicharSamiti

Bank- State Bank of India

Account No.- 37941791894

IFSC code- SBIN0000475

Paytm/ Phonepe/ Googlepay/ upi

आदि दान करने के लिए नीचे दिए गए

QR कोड को स्कैन करें.

BHIM UPI

VICHAR SAMITI

Pay With Any App

G Pay Paytm PhonePe WhatsApp amazon

150+ Apps

Powered By BharatPe

- संपर्क -

Website : vicharsanstha.com

Facebook : Vichar Sanstha

Youtube : Vichar Samachar

Ph. No. : 9575737475, 9009780042, 07582-224488

Address : 258/1, Malgodam Road, Tilakganj Ward, Behind Adinath Cars Pvt. Ltd, Sagar (M.P.) 470002